MAITHILI

MDC/IDC-01

Credits-03 Marks- 100

मैथिली साहित्यक इतिहास

Semester-I

प्राचीन भारतीय भाषा–साहित्य मध्य मैथिलीक अत्यन्त समृद्धशाली परम्परा रहल अछि। वर्णरत्नाकर उत्तर–पूर्वी भारतक समस्त आधुनिक भाषा मध्य प्राचीनतम ग्रन्थक रूपमे प्रतिष्ठित अछि। मैथिली साहित्यक मध्यकालीन नाटक सभ पूर्वोत्तर भारतीय साहित्यक गौरव अछि। एहि पत्रमे मैथिलीक आदिकालीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक कालक साहित्यक विविध पक्षक अध्ययन कएल जाएत।

इकाइ–01 • काल विभाजन • आदिकालीन सामग्री	व्याख्यान L- T- P 08-02-00
इकाइ–02 • विद्यापतिक व्यक्तित्व • विद्यापतिक रचना • विद्यापतिक भक्ति एवं श्रृंगारिक काव्य	10-02-00
इकाइ–03 • गोविन्ददास, लोचन, मनबोधक परिचय एवं हुनक साहित्य • मध्यकालीन मैथिली नाट्य–परम्परा	08-02-00
इकाइ–04 • चन्दा झाक व्यक्तित्व एवं कृतित्व • मैथिली लोकगीत	08-02-00
TOTAL	34-08-00=42

निर्धारित ग्रन्थ :–

1. वर्णरत्नाकर, ज्योतिरीश्वर, प्र0–मैथिली अकादमी, पटना

सहायक ग्रन्थ :–

1. मैथिली साहित्यक इतिहास, जयकान्त मिश्र, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा 'श्रीश', मिथिला पुस्तक केन्द्र, दरभंगा

3. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, दिनेश कुमार झा, मैथिली अकादमी, पटना
4. मैथिली साहित्यक इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल), विजयेन्द्र झा, प्रतिभा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर/दिल्ली
5. महाकवि विद्यापति, पं0 शिवनन्दन ठाकुर, मैथिली अकादमी, पटना
6. विद्यापति, शैलेन्द्र मोहन झा, मैथिली अकादमी, पटना
7. मैथिली लोकसाहित्य : स्वरूप ओ सौन्दर्य, रामदेव झा, मिथिला रिसर्च सोसाइटी, कबिलपुर, लहेरियासराय, दरभंगा
8. मैथिली लोकगीत, अणिमा सिंह, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

MDC/IDC-01

विषय : मैथिली

पूर्णांक–100
सैद्धान्तिक–70
सी0आइ0ए0–30

प्रश्नपत्रक रूपरेखा

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत।

10X02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06 गोट प्रश्न पूछल जाएत जाहिमे सँ 04 गोटक उत्तर देबाक होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत।

04X05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहि स्थितिमे 02 गोट लघूत्तरीय आ 02 गोट व्याख्याक प्रश्नक उत्तर देब अपेक्षित होएत। प्रत्येक प्रश्न 05–05 अंकक होएत, जाहिमे 02 गोट व्याख्यात्मक लेल, 03 गोट आ 02 गोट लघूत्तरीय लेल 03 गोट प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05 गोट प्रश्न पूछल जाएत जाहिमे सँ 03 गोटक उत्तर देब अपेक्षित होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत।

03X10=30

9/12/24 9/12/24 09.12.24 9/12/24

MAITHILI

MDC/IDC-02

Credits-03 Marks- 100

भाषा–विज्ञान एवं आधुनिक मैथिली साहित्य

Semester-II

मैथिली भाषा अपन वर्त्तमान स्वरूप धरि अएबासँ पहिने एकटा नमहर यात्रा पूर्ण कएलक अछि। 2500 इ0पू0 सँ भारतीय भाषा परिवारक संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ठकेँ पार करैत मैथिली एतए धरिक यात्रा कएलक अछि। आइ मैथिली अपन प्रतिष्ठासँ सम्पूर्ण भारतमे एकटा मानक स्थान प्रतिष्ठापित कएलक अछि। एहि व्यापक भाषाक इतिहास आ वर्त्तमानक विषयमे एहि पत्रमे अध्ययन कएल जाएत। संगहि आधुनिक मैथिली साहित्यक लोकप्रिय विधा कथा, काव्य एवं नाटकक अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान L- T- P
इकाइ–01 • मैथिली भाषाक उत्पत्ति एवं विकास • भाषा ओ बोली • मैथिलीक बंगला, असमिया आ उड़ियासँ सम्बन्ध	10-02-00
इकाइ–02 • आधुनिक मैथिली कथाक विकास • कंचनिआ, मोड़, एक खीरा : तीन फाँक, ढेप, टूटैत कीलक जाँत	10-02-00
इकाइ–03 • आधुनिक मैथिली कविताक विकास • मधुपजीक 'छुतहर', यात्रीक 'कविक स्वप्न', चन्द्रभानु सिंहक 'कोइली', हंसराजक 'गंध', भीमनाथ झाक 'धुरी' कविता	08-01-00
इकाइ–04 • आधुनिक मैथिली नाटकक विकास • सुधांशु 'शेखर' चौधरीक नाटक 'भफाइत चाहक जिनगी'	08-01-00
TOTAL	36-06-00=42

9/12/24 9/12/24 9/12/24 9/12/24

निर्धारित ग्रन्थ :–

1. मैथिली कथा–धारा, सं0–नीरजा रेणु, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. कविता–संग्रह,सं0– आनंद मिश्र, आरसी प्रसाद सिंह, श्रीचन्द्रनाथ मिश्र 'अमर',मैथिली अकादमी, पटना
3. भफाइत चाहक जिनगी, सुधांशु 'शेखर' चौधरी, शेखर प्रकाशन, पटना

सहायक ग्रन्थ :–

1. मैथिली भाषा–शास्त्र, धीरेन्द्रनाथ मिश्र
2. मैथिली भाषा विज्ञान, शिवाकान्त ठाकुर एवं नवीन चन्द्र मिश्र
3. मैथिली भाषा विज्ञान, डॉ0 विजयेन्द्र झा, प्रतिभा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर/दिल्ली

MDC/IDC-02

विषय : मैथिली

पूर्णांक–100
सैद्धान्तिक–70
सी0आइ0ए0–30

प्रश्नपत्रक रूपरेखा

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत।

10X02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06 गोट प्रश्न पूछल जाएत जाहिमे सँ 04 गोटक उत्तर देबाक होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत।

04X05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहि स्थितिमे 02 गोट लघूत्तरीय आ 02 गोट व्याख्याक प्रश्नक उत्तर देब अपेक्षित होएत। प्रत्येक प्रश्न 05–05 अंकक होएत, जाहिमे 02 गोट व्याख्यात्मक लेल, 03 गोट आ 02 गोट लघूत्तरीय लेल 03 गोट प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05 गोट प्रश्न पूछल जाएत जाहिमे सँ 03 गोटक उत्तर देब अपेक्षित होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत।

03X10=30

9/12/24 9/12/24 3/12/24 09.12.24 9/12/24

MAITHILI

MDC/IDC-03

Credits-03 Marks- 100

हरिमोहन झा एवं लिली रे

Semester-III

आधुनिक मैथिली साहित्यमे हरिमोहन झा एवं लिली रेक विशिष्ट स्थान अछि आ ई दुनू साहित्यकार दू विपरीत धाराक लेखन लेल जानल जाइत छथि। जतए हरिमोहन झा हास्य–व्यंग्यक माध्यमे मैथिल समाजमे व्याप्त कुरीति सभ दिस पाठकक ध्यान आकृष्ट कएलनि अछि ओतए लिली रे मैथिल समाजमे व्याप्त भूख, असुरक्षा आ यौन कुण्ठाक व्यापक चित्रण करैत छथि। एहि पत्रमे दुनू साहित्यकारक किछु प्रमुख रचना सभक अध्ययन कएल जाएत।

इकाइ–01 • हरिमोहन झाक व्यक्तित्व एवं कृतित्व • दही चूड़ा चीनी, माछक महत्व, मिथिलाक संस्कृति, प्राचीन आदर्श, भूतक मंत्र	व्याख्यान L- T- P 10-02-00
इकाइ–02 • हरिमोहन झाक उपन्यास 'कन्यादान'	08-01-00
इकाइ–03 • लिली रेक व्यक्तित्व एवं कृतित्व • 'रंगीन परदा' कथासंग्रह	10-02-00
इकाइ–04 • लिली रेक उपन्यास 'उपसंहार'	08-01-00
TOTAL	36-08-00=42

निर्धारित ग्रन्थ :–

1. खट्टरककाक तरंग, हरिमोहन झा, शेखर प्रकाशन, पटना
2. कन्यादान, हरिमोहन झा, शेखर प्रकाशन, पटना
3. रंगीन परदा, सं0–रमानंद झा रमण, साहित्यिकी, सरिसवपाही, मधुबनी

4. उपसंहार, लिली रे, साहित्यिकी, सरिसवपाही, मधुबनी

सहायक ग्रन्थ :–

1. हरिमोहन झाक रचनाकर्म, विभूति आनन्द, मैथिली लोकरंग, नई दिल्ली
2. मैथिली साहित्यक रूपरेखा, सं0– बासुकीनाथ झा, चेतना समिति, पटना

MDC/IDC-03

विषय : मैथिली

पूर्णांक–100
सैद्धान्तिक–70
सी0आइ0ए0–30

प्रश्नपत्रक रूपरेखा

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत।

10X02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06 गोट प्रश्न पूछल जाएत जाहिमे सँ 04 गोटक उत्तर देबाक होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत।

04X05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहि स्थितिमे 02 गोट लघूत्तरीय आ 02 गोट व्याख्याक प्रश्नक उत्तर देब अपेक्षित होएत। प्रत्येक प्रश्न 05–05 अंकक होएत, जाहिमे 02 गोट व्याख्यात्मक लेल, 03 गोट आ 02 गोट लघूत्तरीय लेल 03 गोट प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05 गोट प्रश्न पूछल जाएत जाहिमे सँ 03 गोटक उत्तर देब अपेक्षित होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत।

03X10=30